कक्षा-छठी, विषय-हिंदी

अधिन्यास संख्या-4 (पाठ-6 अपठित गद्यांश और अनुच्छेद लेखन)

प्र०1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
समाचार पत्र पढ़ने से ज्ञान की वृद्धि होती है | राजनीति की उथल-पुथल, सामाजिक एव आर्थिक प्रगति तथा विज्ञान की आधुनिकता आदि का ज्ञान हमें इन्हीं के द्वारा मिलता है | इनमें प्रकाशित विज्ञापनों के द्वारा आदेश भेजकर घर बैठे वस्तुएँ मँगवाई जा सकती हैं | नौकरियों के लिए रिक्तियों की जानकारी व योग्य वर-वधू के चयन संबंधी जानकारी भी हमें इन पत्रों से मिलती रहती है | इन पत्रों में विज्ञापन देकर हम अपना व्यापार बढ़ा सकते हैं, परीक्षा परिणाम देख सकते हैं व चलचित्रों के विषय में जानकारी पा सकते हैं | इनके माध्यम से हम अपनी समस्याओं का विवरण सरकार तक पहुँचा सकते हैं | ये जनमत निर्माण व संग्रह में बड़े सहायक सिद्ध होते हैं |

(क) समाचार-पत्र पढ़ने के कोई दो लाभ लिखिए |
(ख) समाचार-पत्र खरीददारी में कैसे सहायक सिद्ध होते हैं ?
(ग) समाचार-पत्र शासक व जनता में किस प्रकार संबंध स्थापित करते हैं ?
(घ) उपर्युक्त गद्यांश में से 'इक' प्रत्यय के दो शब्द ढूंढकर लिखिए |
(ड.) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए |

अनुच्छेद लेखन

किसी भी शब्द, वाक्य, सूत्र से सम्बद्ध विचार एवं भावों को अपने अर्जित ज्ञान, निजी अनुभूति से संजोकर प्रवाहमयी शैली के माध्यम से गद्यभाषा में अभिव्यक्त करना अनुच्छेद कहलाता है |

अनुच्छेद लेखन के समय निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखा जाना आवश्यक है -

1. अनुच्छेद लेखन में विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना चाहिए |
2. अनुच्छेद की भाषा-शैली विषयानुकूल होनी चाहिए |
3. सीमित शब्दों में यथासंभव पूरी बात कहने का प्रयास करना चाहिए | यह गागर में सागर भरने के समान है |
4. अनुच्छेद में प्रारंभ से अंत तक उसका एक सूत्र में बंधा होना आवश्यक है |
5. भाषा यथासंभव सरल, सरस व सुबोध होनी चाहिए | आवश्यकतानुसार मुहावरे, सूक्ति, लोकोक्ति आदि का भी उपयोग किया जा सकता है |

6. अनुच्छेद में अप्रासंगिक या अनावश्यक बातों का उल्लेख नहीं करना चाहिए |
7. लिखने के बाद पुन: उसका अध्ययन करना चाहिए तथा छूटे गए दोषों का निराकरण करना चाहिए |

प्र०2 निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखते हुए 'एकता में बल' विषय पर अनुच्छेद लिखिए

संकेत बिंदु :

- एकता का अर्थ एवं महत्त्व
- एकता की शक्ति के उदाहरण
- एकता के अभाव के दुष्परिणाम
- उपसंहार

(शब्द मंजूषा - एकता में अपार शक्ति, अनेकता में एकता के कारण ही हमारा देश आज़ाद हुआ, अकेले धागे को लेकर कोई भी तोड़ सकता है, एकता एक प्रबल शक्ति, परिवार और समाज की उन्नति एकता पर निर्भर करती है, एकता ही सब शक्तियों का मूल आदि |)